

SHIVAM KUMAR

ROLL NO
=255

जल प्रदूषण

SECTION
=B





जल प्रदूषण, से अभिप्राय जल निकायों जैसे कि, झीलों, नदियों, समुद्रों और भूजल के पानी के संदूषित होने से है। जल प्रदूषण, इन जल निकायों के पादपों और जीवों को प्रभावित करता है और सर्वदा यह प्रभाव न सिर्फ इन जीवों या पादपों के लिए अपितु संपूर्ण जैविक तंत्र के लिए विनाशकारी होता है।

जल प्रदूषण का मुख्य कारण मानव या जानवरों की जैविक या फिर औद्योगिक क्रियाओं के फलस्वरूप पैदा हुये प्रदूषकों को बिना किसी समुचित उपचार के सीधे जल धाराओं में विसर्जित कर दिया जाना है।



हालांकि प्राकृतिक फेनोमेना जैसे की ज्वालामुखी, शैवाल फूल (algae bloom), तूफान (storm) और भूकंप से जल की गुणवत्ता में भारी बदलाव आजाते हैं, जल जभी प्रदूषित होता है जब (water quality) अन्धोपोगेनिक संदूषण अपंग हो जाते हैं और वह मानव के इस्तेमाल (जैसे पीने के पानी) के लिये उपयोगी नहीं रहेता या उसमें ऐसा बदलाव होता है की उसमें अपने जैविक समुदायों को समर्थन देने की क्षमता नहीं रहेती जल प्रदूषण के कई कारण और अभिलक्षण हैं जल प्रदूषण के मूल कारण अक्सर उनके प्राथमिक स्रोत से आधारित हैं स्थल-स्रोत प्रदूषण यह आशय देता है कि संदूषक जलामार्ग के माध्यम से एक असतत " बिंदु स्रोत " में प्रवेश करते हैं इस श्रेणी में शामिल हैं अपशिष्ट उपचार संयंत्र, फैक्टरी से आउत्फल्स साव भूमिगत टैंक, आदि.



प्रमुख कारन जो जल को प्रदूषित करता हैं वो हैं रासायनिकओ, रोगजनक और शारीरिक या संवेदी परिवर्तन हालांकि कई रसायन और तत्व जो कि स्वाभाविक रूप (लोहा, मैंगनीज, आदि) से होते हैं, एकाग्रता की कंजी का पता लगाने के लिये पानी के प्राकृतिक घटक और संदूषकको देखा जाता है कई रासायनिक पदार्थवैशाली है.पथोगेंस मानव या जानवरों में जलजनित बीमारियाँ पैदा कर सकते हैं पानी के भौतिक रसायन विज्ञान बदलाव में शामिल अम्लता, विद्युत चालकता, तापमान, और एउत्रोफिकाशन .हैं पोशिक तत्व जो पहले दुर्लभ थे वही तत्व आज कल उत्रोफिकाशन, फर्टिलाइजेशन द्वारा सतह के पानी को पोशाक तत्व देते हैं जल प्रदूषण विश्व संदर्भ में एक बड़ी समस्या हैयह सुझाव दिया गया है कि यह दुनिया भर की प्रमुख मृत्यु और बीमारियों का कारन है.



ज्यादातर जल प्रदूषण नदियों द्वारा महासागरों में गिरने की वजह से होता है विश्व के कुछ क्षेत्रों में प्रभाव का पता लगाया जा सकता है सौ मील की दूरी से मुंह का प्रयोग करते हुए अध्ययन के द्वारा जलविज्ञान मॉडल परिवहन का इस्तेमाल करते हुए. उन्नत कंप्यूटर मॉडल जैसे की स डब्लू एम एम या डी एस एस ऐ एम मॉडल यह इस्तेमाल किये गए हैं और जलीय प्रणाली पर प्रदूषक का क्या असर पड़ता उसका पता लगाया जा सके , उदाहरण के लिए . प्रदूषण का भाग्य जानने के लिए फिल्टर भोजन कोपेपोइस जैसी प्रजातियों का भी अध्ययन किया गया है यह उच्चतम विष सीधे हडसन नदी के मुंह में नहीं आता हडसन नदी है, लेकिन १०० किलोमीटर दक्षिण में है, क्योंकि प्लेकटॉन उतक होने में कए दिन लग जाते हैं क्रोलिस बल के कारन.



नमूनाकरण पानी जरूरत पड़ने पर कई रूप ले सकता है जो सटीकता और संदूषक की विशेषताओं पर निर्भर करता है। बहुत से संदूषक इवेंट्स लॉकिक है और सबसे जादा सामान्यता संघ वर्षा के साथ है इस कारण के लिये गराब ' नमूने के रूप में संकेतक इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन ये हमेशा काफी नहीं होते की पूरी तरह से शरीर में पानी की चिंताओं को जांचा सके . वैज्ञानिकों जो इस तरह के आंकड़े इखता करते हैं वह स्वतःनमूना को नियोजित करते हैं जो की पानी को समय या उन्मोचन अनुसार पम्प वृद्धि करता है